भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2303
बुधवार, 15 मार्च, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

डॉपलर रडार

2303. श्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी:
श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में पूर्वानुमान में सुधार के साथ आपदा से संबंधित मृत्यु दर घटकर एक अंक में आ गई है और यदि हां, तो 2014 के बाद से तत्संबंधी सापेक्षिक ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या 2025 तक पूरे देश को डॉपलर रडार से कवर कर लिया जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अब तक की गई प्रगति के साथ-साथ इस संबंध में स्वीकृत/ खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी नहीं। देश में पूर्वानुमान में सुधार के साथ आपदा से संबंधित मृत्यु दर एक अंक में नहीं आई है। हालांकि, मौसम संबंधी मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB), गृह मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 2014 से 2021 के दौरान विनाशकारी मौसम की घटनाओं के कारण हुई मौतों का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ख) 2025 तक राडार की वर्तमान संख्या 37 से बढ़ाकर 49 तक करने की संभावना है। वर्तमान DWR नेटवर्क अनुलग्नक - II में दिखाया गया है।

DWR की स्थापना और प्रचालन से संबंधित चल रही परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

1. एकीकृत हिमालयी मौसम विज्ञान कार्यक्रम (IHMP) के तहत हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्र में 10 एक्स-बैंड DWR स्थापित किए जा रहे हैं। इस परियोजना के अगले कुछ महीनों में पूरा होने की संभावना है। इस परियोजना की लागत रु. 46.2 करोड़ रुपये है।

2. 11 सी-बैंड DWR को दो परियोजनाओं अर्थात 60 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 03 सी-बैंड रडार और 96 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 08 सी-बैंड DWR के तहत देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में 08 एक्स-बैंड DWR स्थापित किए जाने हैं। परियोजना की अनुमानित लागत 48 करोड़ रुपये है। मामला अनुमोदन की प्रक्रिया के अधीन है जिसकी शुरुआत अगले कुछ महीनो में होगी।

3. 81.6 करोड़ रुपये की लागत से 04 एस-बैंड DWR को देश के पूर्वी तट पर पुराने राडारों की जगह स्थापित किया जाना है। इससे संबंधित टेंडर पहले ही निकाला जा चुका है।

4. देश भर के विभिन्न शहरों में 'शहरी मौसम विज्ञान' योजना के तहत 06 एक्स-बैंड DWR स्थापित किए जाने हैं। मामला अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

उपर्युक्त सभी राडारों की स्थापना के बाद, भारत मौसम विज्ञान विभाग का राडार नेटवर्क अनुलग्नक -III में दर्शाए के अनुसार होगा।

अनुलग्नक -I

मौसम की विनाशकारी घटनाओं के कारण हुई मौतें					
वर्ष	**चक्रवात**	**बाढ़**	**मूसलाधार बारिश**	**लू**	**कुल**
2014	62	541	156	1248	2007
2015	15	846	195	1908	2964
2016	15	775	143	1338	2271
2017	133	496	259	1127	2015
2018	125	500	101	890	1616
2019	33	948	69	1274	2374
2020	37	959	43	530	1569
2021	118	656	63	374	1211
कुल योग	**538**	**5721**	**1029**	**8689**	**16007**

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया डेटा

अनुलग्नक -II

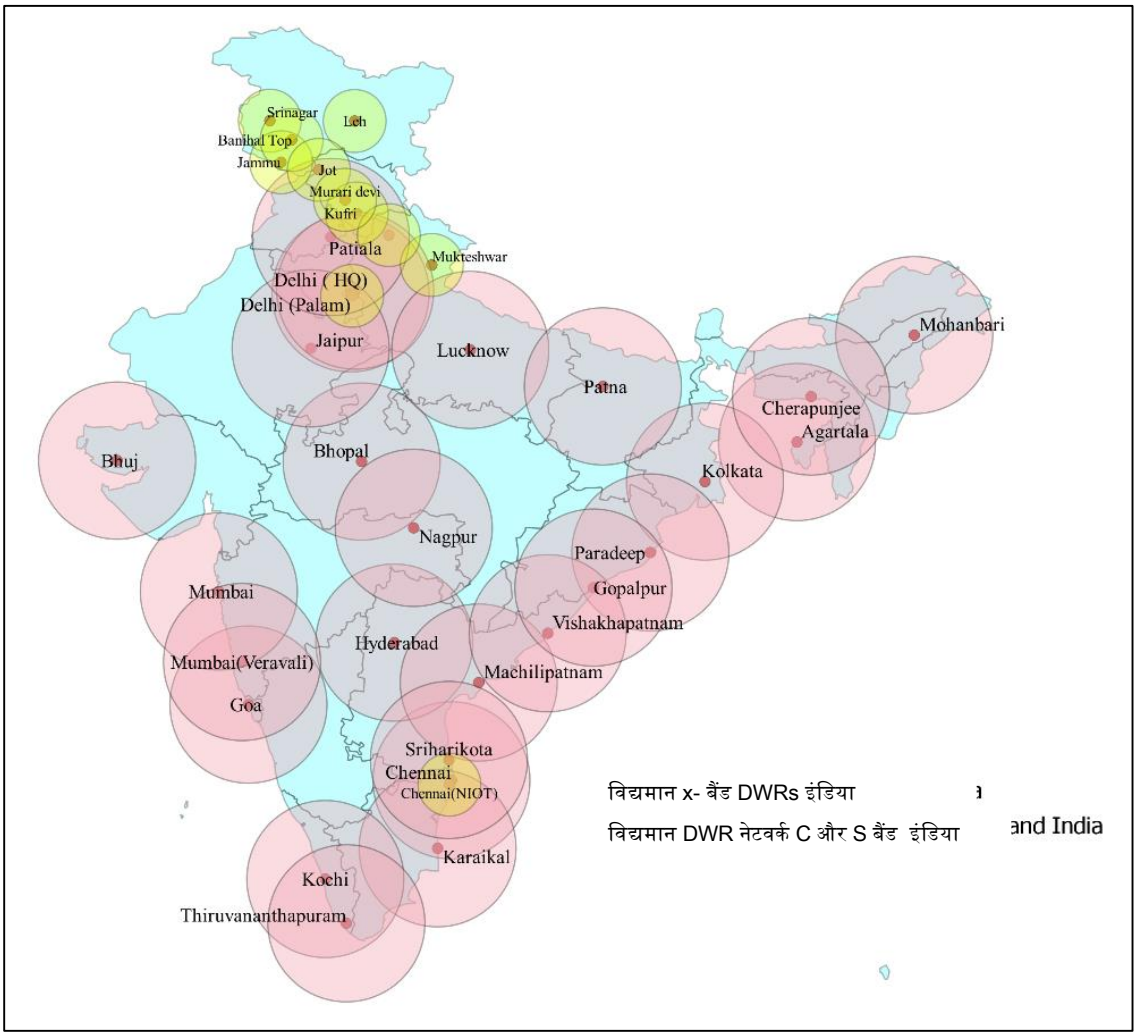
Srinagar
Leh
Banihal Top
Jammu
Jot
Murari devi
Kufri
Patiala
Mukteshwar
Delhi (HQ)
Delhi (Palam)
Jaipur
Lucknow
Patna
Mohanbari
Cherapunjee
Agartala
Bhuj
Bhopal
Kolkata
Nagpur
Paradeep
Gopalpur
Mumbai
Vishakhapatnam
Hyderabad
Mumbai(Veravali)
Machilipatnam
Goa
Sriharikota
Chennai
Chennai(NIOT)
Karaikal
Kochi
Thiruvananthapuram
विद्यमान x- बैंड DWRs इंडिया
विद्यमान DWR नेटवर्क C और S बैंड इंडिया
and India

अनुलग्नक -III

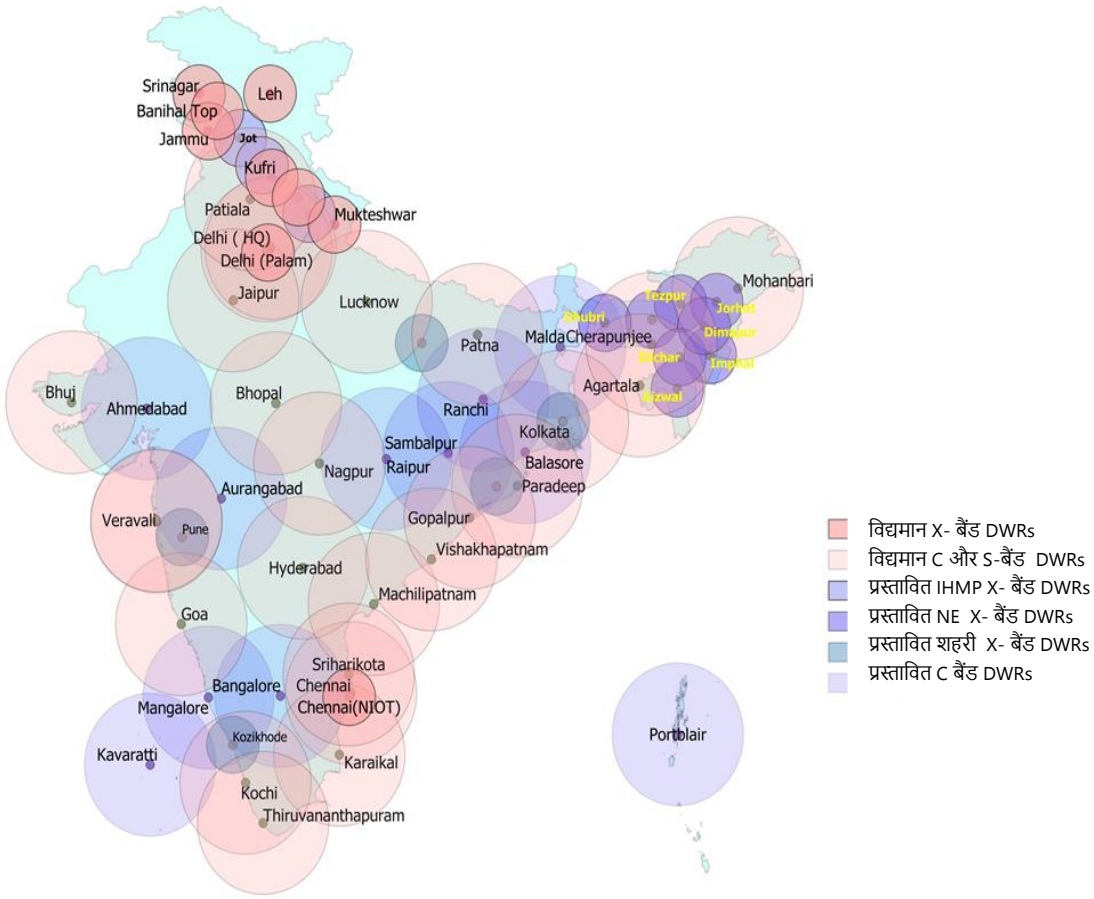
Srinagar
Leh
Banihal Top
Jammu
Jot
Kufri
Patiala
Mukteshwar
Delhi (HQ)
Delhi (Palam)
Jaipur
Lucknow
Patna
Mohanbari
Tezpur
Jorhat
Dhubri
Malda
Cherapunjee
Dimapur
Silchar
Imphal
Agartala
Aizwal
Bhuj
Ahmedabad
Bhopal
Ranchi
Kolkata
Sambalpur
Nagpur
Raipur
Balasore
Paradeep
Aurangabad
Veravali
Pune
Gopalpur
Vishakhapatnam
Hyderabad
Machilipatnam
Goa
Sriharikota
Bangalore
Chennai
Mangalore
Chennai(NIOT)
Kozikhode
Kavaratti
Karaikal
Kochi
Thiruvananthapuram
Portblair
विद्यमान X- बैंड DWRs
विद्यमान C और S-बैंड DWRs
प्रस्तावित IHMP X- बैंड DWRs
प्रस्तावित NE X- बैंड DWRs
प्रस्तावित शहरी X- बैंड DWRs
प्रस्तावित C बैंड DWRs

******